

2-3-23

पशावली पैत्रा इके क्लीक वादी एवं प्रतिवादी
 उक्त कही क्लीक वादी एवं प्रतिवादी के तीस
 वर आवाज अवाक ठाँव वाक्यसुद्ध प्रयत्न से
 क्लीक वादी एवं प्रतिवादी अपात्प्रत्यय के उपस्थित कही
 वादी का वाद अक्षर हाजरी अक्षर तामील के
 तामील लिपि जाका ही पशावली के मूल सुमाद
 दोष का तामील हलमीक के दोषिणक रूपत

६।
 ७७

